

प्रेषक,

डी0एस0गब्याल,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
शहरी विकास निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक : 29 मार्च, 2016

**विषय:** वाह्य सहायतित परियोजना यू0यू0एस0डी0आईपी0 के अन्तर्गत ट्रान्च-2 (2797-IND) हेतु राज्यांश अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्यक्रम निदेशक, उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट इनवेस्टमेंट प्रोग्राम, देहरादून के पत्र संख्या: यू.यू.एस.डी.आई.पी. F&A05/2179 दिनांक 29.02.2016 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वाह्य सहायतित योजना यू0यू0एस0डी0आईपी0 के अन्तर्गत ट्रान्च-2 के स्वीकृत कार्यों के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में राज्यांश की धनराशि ₹ 1000.00 लाख (₹ दस करोड़ मात्र) व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) उपरोक्त ट्रान्च-2 के चालू कार्यों हेतु स्वीकृत की जा रही राज्यांश की धनराशि निर्धारित राज्यांश से अधिक होने की दशा में इसकी प्रतिपूर्ति ए0डी0बी0 के माध्यम से यथाशीघ्र करा ली जाय।
- (ii) उक्त धनराशि ₹ 1000.00 लाख (₹ दस करोड़ मात्र) की धनराशि आपके द्वारा आहरित कर कार्यक्रम निदेशक, उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम, देहरादून को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
- (iii) स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाएगा, जो ऋण अनुबन्ध/परियोजना अनुबन्ध के क्रम में विषयान्तर्गत वर्णित कार्यक्रम के अधीन स्वीकृत है तथा जिनके सम्बन्ध में नियमानुसार अधिप्राप्ति कार्यवाही की गयी है।
- (iv) व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, अधिप्राप्ति नियमावली तथा मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेश, अन्य तद्विषयक नियमों एवं समय-समय पर निर्गत तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जाएगा।
- (v) उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययिता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा।
- (vi) अप्रयुक्त धनराशि का बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
- (vii) मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219/2006, दिनांक 30 मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।

..2/-

- (viii) निर्माण एजेन्सी के चयन में शासनादेश संख्या-452/XXVII(1)/2005, दिनांक 05 अप्रैल, 2005 में निर्गत निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
- (ix) पूर्व में निर्गत शासनादेशों में उल्लिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (x) जी0पी0डब्ल्यू0 फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण ईकाई को कार्य संपादित करना होगा तथा निर्माण ईकाई से कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008, दिनांक 15-12-2008 की व्यवस्थानुसार मानक अनुबन्ध निष्पादित करा लिया जायेगा।
- (xi) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष दिनांक 31-03-2016 तक उपयोग की गई धनराशि का मदवार व्यय विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
- (xii) परियोजनान्तर्गत व्यय के सापेक्ष प्रतिपूर्ति देयक समयबद्ध रूप से ए0डी0बी0/भारत सरकार को प्रेषित कर प्रतिपूर्ति यथाशीघ्र करायी जाय।
- (xiii) अग्रेत्तर धनराशि अवमुक्त करने के प्रस्ताव करते समय कार्यवार L-1 दर लागत पर कार्य की अनुमोदित लागत, वित्तीय तथा भौतिक प्रगति एवं पूर्व अवमुक्त समस्त धनराशि के उपभोग प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिये जायेंगे।
- (xiv) वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015, दिनांक 1 अप्रैल, 2015 में दिये गये निर्देशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2- उक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-13 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "4217-शहरी विकास पर पूँजीगत परिव्यय-03- छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-97-वाह्य सहायतित परियोजनाएं-01-नगरीय अवस्थापना का सुदृढीकरण-24 वृहद निर्माण कार्य के नामे ₹ 820 लाख एवं अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "4217-शहरी विकास पर पूँजीगत परिव्यय-03- छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-97-वाह्य सहायतित परियोजनाएं-01-नगरीय अवस्थापना का सुदृढीकरण-24 वृहद निर्माण कार्य के नामे ₹ 180.00 लाख डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के आ0शा0 संख्या-704/XXVII(2)/2015, दिनांक 29 मार्च, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न: अलायन्स आई-सी

(1) 81603130622

(2) 81603300623

भवदीय,

(डी0एस0गर्बाल)

सचिव।

संख्या : 492/IV(2)-श0वि0-2016 -06(एडीबी)/11, तददिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार (लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- निजी सचिव, मा0 नगर विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल, पौड़ी/नैनीताल।
- 6- कार्यक्रम निदेशक, उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम, देहरादून।
- 7- वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
- 8- वित्त अनुभाग-2/निदेशक, राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी0ओ0 में इसे शामिल करने का कष्ट करें।
- 11- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 12- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
(ओमकार सिंह)  
संयुक्त सचिव।

